RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 093
दि. 01.08.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी का वाराणसी दौरा... 51वीं बार आएंगे अपने संसदीय क्षेत्र, देंगे 2183 करोड़ की सौगात, पूरे पूर्वांचल को होगा फायदा

(जीएनएस)।

वाराणसी , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के 51वें दौरे पर आ रहे हैं. अपने इस एक दिवसीय दौरे में प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी में लगभग 2 घंटे बिताएंगे. इस दौरान वो जनसभा को भी संबोधित करेंगे. उनकी जनसभा सेवापुरी ब्लाक के कालिकाधाम (बलौनी) में होनी है. इसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं.

गौरतलब है कि जब कभी प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र में आते हैं, तो अक्सर कुछ बड़ा ऐलान करते हैं और परियोजनाओं की बड़ी सौगात भी देते हैं. इस बार भी वह 2183.45 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 52 परियोजनाओं की सौगात काशीवासियों को देंगे.

इस दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी जाने वाली परियोजनाओं का लाभ न केवल वाराणसी, बल्कि पूर्वांचल की जनता को भी मिलेगा. इसके अलावा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के रूप में 9.7 करोड़ किसानों के लिए 20 हजार 500 करोड़ रुपये की किस्त भी जारी करेंगे.

प्रधानमंत्री मोदी 2 अगस्त को सुबह लगभग 10 बजकर 25 मिनट पर वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वायुसेना के विशेष विमान से पहुंचेंगे, जहां से वे सीधे जनसभा स्थल हेलीकॉप्टर से पहुंच जाएंगे.

वहीं, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अंतर्गत काम करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एलिम्को की ओर से प्रधानमंत्री चुनिंदा कुछ दिव्यांगजनों और वयोश्री योजना के तहत अपने हाथों से उपकरण बांटेंगे. इसके बाद 2025 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी बांटा जाएगा. इसमें वाराणसी के सेवापुरी, आराजीलाइन और बड़ागांव के लाभार्थी शामिल किए गए हैं.

तैयारियों जोरों पर, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जनसभा स्थल और तैयारियों की बात करें तो प्रशासनिक स्तर पर लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. मानसून के मौसम में खासकर बारिश के मद्देनजर सभी तैयारी है. जनसभा स्थल पर 50 हजार लोगों के आने की उम्मीद जताई जा रही है, लिहाजा जर्मन हैंगर के अलावा पूरे पंडाल को वाटरप्रूफ रखने के निर्देश दिए गए हैं. वहीं, प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर एसपीजी भी पहुंचकर सुरक्षा जांच में जुट गई है.

नेपाल की संसद के 14 युवा सांसदों और 8 राजनीतिक दलों के नेताओं ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की

शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक विकास और सहकारिता के क्षेत्र में गुजरात के ऐतिहासिक विकास से प्रभावित हुए नेपाल के सांसद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात को सभी को साथ रखते हुए सर्वांगीण विकास साधने की विकास की राजनीति का लाभ मिला : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 31 जुलाई : नेपाल की संसद के 14 युवा सांसदों और 8 विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने गुरुवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की।

नेपाल के द फ्री यूथ डेमोक्रेटिक ऑर्गेनाइजेशन के नेतृत्व में ये युवा सांसद और 8 राजनीतिक दलों के नेता एक सप्ताह के गुजरात दौरे पर आए हैं।

इस प्रतिनिधिमंडल ने अपने गुजरात दौरे की शुरूआत मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ गांधीनगर में शिष्टाचार भेंट से की।

इस दौरे के दौरान यह प्रतिनिधिमंडल स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, द्वारका, सोमनाथ और अमूल डेयरी-आणंद का दौरा करेगा।

नेपाल के सांसदों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने बताया कि वे भारत के विकास रोड मॉडल के रूप में गुजरात द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक विकास, सहकारिता और रोजगार के क्षेत्र में किए गए ऐतिहासिक विकास के बारे में जानकर प्रभावित हुए हैं।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने यह भी कहा कि उनके इस दौरे का उद्देश्य भारत-गुजरात से यह जानना और समझना है कि समृद्ध नेपाल के निर्माण के लिए कैसे विकास की राह पर आगे बढ़ा जा सकता है और कैसे लोगों को साथ रखकर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग से विकास किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस संदर्भ में प्रतिनिधिमंडल को गुजरात के प्रभावशाली विकास की पृष्ठभूमि के बारे में स्पष्टता के साथ बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकास की राजनीति का एक नया इतिहास रचा गया है।

परिणीति चोपड़ा पर कपिल शर्मा ने लगाया ऐसा इल्जाम, पति राघव चड्ढा के उड़े होश

ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नए एपिसोड का नया प्रोमो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर जारी कर दिया गया है, जिसमें इस बार मेहमान बनकर, आप नेता राघव चड्ढा और उनकी पत्नी, बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा पहुंची हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि शो की शुरूआत में ही राघव चड्ढा को बिना जूते के देखकर कपिल शर्मा ने चुटकी ली। इसके बाद कपिल शर्मा ने राघव चड्ढा से पूछा- क्या आपने कोई मन्नत ली थी कि परिणीति से शादी हो जाए तो आप मेरे शो में नंगे पांव आएंगे?

मध्यप्रदेश बनेगा टेक्सटाइल हब – उद्योगों को मिलेगी सरकार की पूरी मदद, सीएम मोहन यादव ने किया भरोसा

(जीएनएस)।

एमपी ग्लोबल आउटरीच समिट 2025 में, सीएम डॉ. मोहन यादव ने भारत की आर्थिक प्रगति और उद्योगों, विशेष रूप से कपड़ा और महिला रोजगार में समर्थन पर चर्चा की।

आज का आयोजन बताता है कि विश्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समय चल रहा है। देश ऐसे ही नहीं बदलता है। देश के बदलने के लिए मन के संकल्पों की जरूरत होती है। इन संकल्पों में नवीनता भी होती है, विविधता भी होती है। यह मंच न केवल विक्रेताओं का है, बल्कि खरीदारों का भी है। यह अपने आप में नया प्रयोग और नया संकल्प है। जब देश 1947 में आजाद हुआ तब भारत की अर्थव्यवस्था 15वें नंबर पर थी। जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने उस वक्त भारत की अर्थव्यवस्था 11वें नंबर पर थी। आज भारत ने करवट बदली है। आज भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था है।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 31 जुलाई को कही। सीएम डॉ. यादव नई दिल्ली में आयोजित बीएसएल ग्लोबल आउटरीच समिट-2025 को संबोधित कर रहे थे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में कई बिजनेसमैन को अवॉर्ड भी प्रदान किए। उन्होंने कई उद्योगपतियों के साथ राउंड टेबल चर्चा और वन-टू-वन संवाद किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार उद्योगपतियों की हर तरह की मदद करने के लिए तैयार है। हम रोजगार परक उद्योग में काम करने वाली महिला के लिए 6 हजार रुपये प्रति वर्कर देने को तैयार हैं।

कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ये बदलते दौर का भारत है। भारत में नवाचार हो रहे हैं। मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में व्यापार-व्यवसाय को रोकने वाले कानून बदले गए।

'भारत के हितों की रक्षा सर्वोपरि, घरेलू उद्योगों की', ट्रंप के 25% टैरिफ पर पीयूष गोयल ने क्या किए वादे?

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यसभा मे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय निर्यात पर लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ पर सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत सरकार अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी और घरेलू उद्योगों को सुरक्षित रखेगी।

पीयूष गोयल ने सदन ने बताया कि दो अप्रैल 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर एक कार्यकारी आदेश जारी किया था। इसके तुरंत बाद, 10 फीसदी का बेसलाइन टैरिफ लागू कर दिया गया, जिस पर भारत के लिए 26 फीसदी अतिरिक्त शुल्क का प्रावधान था। हालांकि, इस शुल्क को पहले 90 दिनों के लिए और फिर एक अगस्त तक के लिए निलंबित कर दिया गया था।

मंत्री पीयष गोयल ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच मार्च 2025 में एक ट्रेड डील को अंतिम रूप देने के लिए एक 'न्यायसंगत, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी' द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) को लेकर बातचीत शुरू हुई थी। इस समझौते का पहला चरण अक्टूबर-नवंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

"हम अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा करेंगे"

पीयूष गोयल ने कहा, "हम अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा करेंगे।"सरकार हालात पर बारीकी से नजर रख रही है।

गोयल ने आश्वासन दिया कि सरकार निर्यातकों, उद्योगों और संबंधित पक्षों से लगातार बातचीत कर रही है ताकि उनके विचारों को समझा जा सके। उनका कहना है कि किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों, टरटए२ और निर्यातकों की भलाई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा।

भारत दुनिया की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है

उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि पिछले एक दशक में भारत ने 'Fragile Five' की सूची से बाहर निकलकर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान बनाया है। गोयल ने बताया कि आर्थिक सुधारों और सभी वर्गों की मेहनत से भारत 11वें स्थान से तरक्की कर अब दुनिया की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है।

मंत्री ने उम्मीद जताई कि आने वाले कुछ वर्षों में भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

'समोसा कहीं छोटा, कहीं बड़ा मिलता है', भाजपा सांसद रवि किशन ने लोकसभा में क्यों कही ये बात?

बीजेपी सांसद और एक्टर रवि किशन ने लोकसभा में देशभर के ढाबों, रेस्टोरेंट और होटलों में खाने की चीजों की क्वांटिटी और रेट पर चिंता जताई। उन्होंने सरकार से मांग की कि इन जगहों पर परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थों की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए एक कानून बनाया जाए। शून्यकाल के दौरान उनने कहा कि किसी भी फूड और डिश के रेट और क्वालिटी में एकरूपता नहीं है। लाखों ढाबे और होटल, जिसमें प्रतिदिन करोड़ों लोग भोजन करते हैं। इन ढाबों और होटल के स्थान और स्तर के अनुसार खाद्य पदार्थों के पैसे ग्राहकों से लिए जाते हैं।

कहीं फाइव स्टार में बड़ा पाओ खाएंगे तो वहां अलग कीमत है। मुंबई में अलग कीमत है।

मालेगांव ब्लास्ट मामला : ना आरडीएक्स मिला, ना बाइक मिली, एनआईए कोर्ट ने सबूतों को बताया कमजोर, पढ़ें फैसले की बड़ी बातें

(जीएनएस)।

29 सितंबर 2008 की रात मालेगांव शहर की भिक्खू चौक में हुए धमाके ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। रमजान के महीने में हुए इस धमाके में 6 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस केस की जांच महाराष्ट्र एटीएस से लेकर एनआईए जैसी शीर्ष एजेंसियों ने की, और सालों तक देश की राजनीति और मीडिया में यह मामला छाया रहा।

अब लगभग 17 साल बाद, एनआईए की विशेष अदालत ने अपने ऐतिहासिक फैसले में बीजेपी की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया है।

कोर्ट ने क्यों दिया बरी करने का फैसला?

ये हैं जज के अहम टिप्पणियां: एनआईए के विशेष न्यायाधीश ए.के. लाहोटी ने फैसले के दौरान स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष यह सिद्ध करने में पूरी तरह विफल रहा कि आरोपियों की भूमिका विस्फोट में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई थी। कोर्ट ने फैसले में कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं, जो इस निर्णय की नींव बनीं:

बाइक को लेकर कोई ठोस सबूत नहीं, कोर्ट ने कहा कि यह साबित नहीं हो सका कि विस्फोटक मोटरसाइकिल में रखा गया था या नहीं।

यह भी स्पष्ट नहीं हुआ कि बाइक किसने पार्क की थी, और वह किसकी थी।, जांच एजेंसियों का दावा था कि बाइक साध्वी प्रज्ञा की है, लेकिन चेसिस नंबर की पुष्टि नहीं हो सकी, जिससे यह साबित नहीं हो सका कि बाइक वाकई उनकी थी। प्रसाद पुरोहित के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष सबूत नहीं, कोर्ट ने कहा कि प्रसाद पुरोहित ने बम बनाया या सप्लाई किया, इसका कोई सबूत नहीं है, यह भी साबित नहीं हो पाया कि उन्होंने बम प्लांट किया या करवाया।

जज लाहोटी ने कहा कि घटना के बाद सबूतों को वैज्ञानिक तरीके से इकट्ठा नहीं किया गया। सबूतों के साथ छेड़छाड़ की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

एक्सपर्ट्स की मदद से फॉरेंसिक जांच समय पर नहीं हुई, जिससे केस कमजोर हुआ।

राजस्थान में भारी बारिश, धौलपुर में सेना बुलानी पड़ी

(जीएनएस)।

राजस्थान में आसमान से बरसी आफत ने जनजीवन को पूरी तरह से थाम दिया है। बीते दो दिनों की मूसलाधार बारिश ने सड़कों को नदियों में तब्दील कर दिया, गांव टापू बन गए और हालात इतने बिगड़े कि धौलपुर में सेना को मैदान में उतरना पड़ा। 13 जिलों के स्कूलों में आज अवकाश घोषित करना पड़ा है।

सवाई माधोपुर में हाईवे बह गए, तो कोटा में कलेक्टर नाव से गांव पहुंचते दिखे। चंबल खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और राहत-बचाव के लिए प्रशासन व सेना की टीमें मोर्चा संभाले हुए हैं। सावन की रिमझिम अब कहर बन गई है।

राजकुमार राव मुश्किल में फंसे, एउफआईआर, अरेस्ट वॉरंट और फिर एक्टर ने कोर्ट में किया सरेंडर, जानें क्या है आरोप?

एक्टर राजकुमार राव बड़ी मुसीबत में फंस चुके हैं। एक्टर के खिलाफ थाने में एफआई दर्ज करवाई गई है और समन भी भेजा गया। लेकिन कुछ ऐसा हुआ कि एक्टर राजकुमार के खिलाफ अरेस्ट वारेंट जारी कर दिया गया। दरअसल, उन पर धार्मिक भावना भड़काने का आरोप लगा है। कोर्ट में पेश ना होने के कारण उनके खिलाफ अरेस्ट वॉरंट जारी कर दिया गया, जिसके बाद उन्हें जालंधर कोर्ट में सरेंडर करना पड़ा था। जानते हैं क्या पूरा मामला क्या है? मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजकुमार राव के खिलाफ धार्मिक भावना भड़काने का केस दर्ज किया और उसके बाद समन भेजा गया।

पहलगाम आतंकी हमले पर यूएनएससी की रिपोर्ट, पाकिस्तान की सबसे बड़ी साजिश हुई बेनकाब

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल 2025 को हुआ पहलगाम आतंकी हमला फिर चर्चा में है। ऑपरेशन सिंदूर में पहलगाम हमले के 3 आतंकियों को मार गिराए जाने की मुद्दा लोकसभा तक में गूंजा है। इस बीच पहलगाम हमले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें पाकिस्तान का झूठ बेनकाब हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की मॉनिटरिंग टीम की रिपोर्ट में पहली बार द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का नाम लिया गया है। यह वही आतंकी संगठन है, जिसने पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, बाद में वह पाकिस्तानी सेना के दबाव में अपने बयान से मुकर गया।

मीडिया में छपी खबर के अनुसार यूएनएससी की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान टीआरएफ जैसे अपने आतंकी संगठनों को स्थानीय रूप देने की कोशिश करता है, ताकि बड़े आतंकी संगठन जैसे लश्कर-ए-तैयबा व जैश-ए-मोहम्मद से दुनिया का ध्यान हटाया जा सके। पाकिस्तान की यह रणनीति अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने उजागर हो चुकी है।

यूएनएससी ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जो लश्कर-ए-तैयबा से सीधे तौर पर जुड़ा आतंकी संगठन है, पहलगाम आतंकी हमले में शामिल था। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह हमला लश्कर की सहायता के बिना संभव नहीं था। साथ ही, आशंका जताई गई है कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव का लाभ आतंकी संगठन उठाने की कोशिश कर सकते हैं।

भारतीय सेना ने पुंछ में एलओसी पार करने की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को मार गिराया है। उनके पास से तीन हथियार व गोला बारूद बरामद हुआ है।

सम्पादकीय

विपक्ष ने सरकार की रणनीति और विदेश नीति पर गंभीर सवाल खड़े किये

सोमवार को अंततः पहलगाम की आतंकी घटना पर लोकसभा में जबरदस्त बहस हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिह ने सोमवार को बहस शुरू करते हुए कहा कि सेना के तीन अंगों के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताते हुए यह भी कहा कि इस अभियान को यह कहना कि किसी दबाव में आकर रोका गया गलत और निराधार है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हार मान ली थी और कहा कि अब कार्रवाई रोक दीजिए महाराज। बहुत हो गया। रक्षा मंत्री ने कहा 10 मई की सुबह जब भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के कई एयरफील्ड पर करारा हमला किया तो पाकिस्तान ने हार मान ली और संघर्ष रोकने की पेशकश की। बहस में विपक्ष ने वेंद्र सरकार पर तीखे सवाल दागे। विपक्ष ने एक सुर में कहा कि सेना के पराव्रम पर उन्हें गर्व है, लेकिन सरकार की रणनीति और विदेश नीति पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रोस सांसद गौरव गोगईं और दीपेन्द्र हुड्डा ने खासतौर पर सरकार को निशाने पर लिया। कांग्रोस के उपनेता गौरव गोगोईं ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि पहलगाम हमले के आतंकी अब तक गिरफ्त से बाहर क्यों हैं? उन्होंने पूछा कि ऑपरेशन सिदूर के दौरान कितने विमान गिरे थे? संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की क्या भूमिका थी? उन्होंने पूछा कि जब हम जीत रहे थे तो कार्रवाई क्यों रोकी गईं? पाकिस्तान के कब्जे से पीओके क्यों नहीं लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में सुरक्षा चूक की नैतिक जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को लेनी चाहिए। अमित शाह जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के पीछे छिप नहीं सकते। यह चूक उनकी है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश और विपक्ष प्राधानमंत्री के साथ खड़ा था तो अचानक युद्ध विराम वैसे हुआ? अगर पाकिस्तान घुटनों पर था तो आप क्यों झुके? आप किसके सामने झुके? कांग्रोस नेता ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 26 बार कहा कि उन्होंने व्यापार की बात करके युद्ध रूकवाया। ट्रंप की क्या भूमिका थी? उन्होंने सरकार से सवाल किया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को अब वापस नहीं लेंगे तो कब लेंगे। मैंने गौरव गोगोईं के भाषण के प्रामुख अंश इसलिए बताए हैं क्योंकि मेरा मानना है कि ऑपरेशन सिदूर पर उठाए गए प्राश्नों पर यह बहुत सटीक और जोरदार भाषण था जिसका जवाब सत्ता पक्ष के स्पीकर अभी तक नहीं दे सके। टालने और इधर-उधर की बातों से उलझाए रखना और बयान बदलने से मसला हल नहीं होगा।

कांग्रोस के दीपेन्द्र हुड्डा और टीएमसी सांसद कल्याण बनजा के भाषणों का भी जिव्र करना जरूरी है। कांग्रोस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया लेकिन सरकार की रणनीति में बड़ी खामी रही। विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक की मांग की थी लेकिन सरकार ने नहीं बुलाईं। दीपेन्द्र ने सरकार के अमेरिका के साथ संबंधों पर जमकर निशाना साधा। जब तुर्विए ने पाकिस्तान की मदद की तो प्राधानमंत्री साइप्रास गए, अच्छा संदेश दिया, लेकिन असली दुश्मन चीन को संदेश देना था तो वे ताइवान चले जाते। विदेश नीति की आलोचना करते हुए कहा कि बारबार ट्रंप के इस दावे को लेकर सवाल पूछे जाते हैं कि उन्होंने भारत- पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करवाया। तृणमूल कांग्रोस नेता कल्याण बनजा ने कहा कि ऑपरेशन सिदूर का व्रेडिट सेना का है, इसमें बंटवारा नहीं होना चाहिए। हमने विदेश नीति के मामले में पूरी तरह से सरकार का समर्थन किया, भारत को पाकिस्तान को ऐसा आघात देना चाहिए था, जिसको पूरी दुनिया देखती। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि व्रिकेट में कभी सेंचुरी के करीब 90 रन पर पहुंचने पर इनिग डिक्लियर करने की बात सुनी है? लेकिन यह काम मोदी जी नहीं कर सकते हैं। कोईं और नहीं। उन्होंने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां 140 करोड़ देशवासी कह रहे थे कि लड़ाईं जारी रखो, जीती हुईं बाजी न हारो लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति के सामने आपका कद और छाती 56 इंच से घटकर 36 इंच रह गईं है। वहीं असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान का मकसद हमेशा भारत को कमजोर करने का ही है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के 7 विभागों के 1 लाख 74 हजार करोड़ रुपए से अधिक के लगभग 32 हाई प्रायोरिटी प्रोजेक्ट्स के कामकाज की सर्वग्राही समीक्षा की

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव की उपस्थिति में सम्बद्ध विभागों के वरिष्ठ सचिवों के साथ गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक का उपक्रम आयोजित किया

सभी विकासोन्मुखी प्रोजेक्ट्स को समयसीमा में तथा गुणवत्तायुक्त मानदंड के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यतः समीक्षित प्रोजेक्ट्स

- मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया
- खावडा का रिन्यूएबल एनर्जी पार्क
- साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट के 1 से 6 फेज की प्रगति
- सूरत के ड्रीम सिटी के इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि के डेवलपमेंट के लिए सबमिटेड मास्टर प्लान
- कौशल्य = द स्किल यूनिवर्सिटी

गांधीनगर, : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के हाई इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स की समीक्षा बैठक के तीसरे उपक्रम में राज्य सरकार के विभिन्न 7 विभागों के कुल 1 लाख 74 हजार करोड़ रुपए के 32 प्रोजेक्ट्स में हुए कामकाज की प्रगति की समीक्षा की।

इस बैठक में सम्बद्ध विभागों के वरिष्ठ सचिवों ने उनके विभागों के हाई इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स में अब तक हुई कार्यवाही तथा आगामी आयोजन का विस्तृत विवरण दिया।

मुख्यमंत्री ने इस समीक्षा के दौरान स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का जो विजन दिया है, उसके अनुरूप विकसित गुजरात के निर्माण के लिए ये सभी विकासोन्मुखी प्रोजेक्ट्स इंटीग्रेटेड एंड हॉलिस्टिक डेवलपमेंट के दिशासूचक हैं।

इस संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रोजेक्ट्स निश्चित समयसीमा में एवं गुणवत्तायुक्त कार्यों के साथ पूरे हों। इतना ही नहीं; प्रोजेक्ट्स में होने वाले विलंब से वित्तीय बोझ न बढ़े; यह भी सुनिश्चित होना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल प्रोजेक्ट में किसानों को भूमि अधिग्रहण के मुआवजे का

भुगतान कार्य अगस्त-2025 तक पूर्ण करने के दिशा-निर्देश भी दिए।

कच्छ के खावडा में आकार ले रहे 30 गीगावाट के हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क का 64 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है और 6862 मेगावाट के रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट कार्यरत हुए हैं।

इतना ही नहीं; मुख्यमंत्री ने दिसंबर-2026 तक आरई पार्क पूर्ण करने के आयोजन के साथ आगे बढ़ने के ऊर्जा विभाग के कामकाज की समीक्षा भी की।

इस समीक्षा बैठक में लोथल में भारत सरकार द्वारा निर्माणाधीन नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स की प्रगति के संदर्भ में बंदरगाह एवं परिवहन विभाग द्वारा बताया गया कि राज्य सरकार ने 400 एकड़ भूमि के आवंटन, जलापूर्ति की पाइपलाइन, विद्युत आपूर्ति की ट्रांसमिशन लाइन तथा सरगवाडा से प्रोजेक्ट साइट तक के मार्ग को चार-मार्गीय करने की कार्यवाही पूर्ण की है।

इसके अतिरिक्त; बैठक में बताया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुलिस स्टेशन, स्टेट पैवेलियन के कार्य प्रगति पर हैं तथा टूरिज्म सर्किट का आयोजन प्रारंभिक चरण में है।

साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री आई. पी. गौतम ने साबरमती रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट के फेज 1 से 6 के अंतर्गत वासणा बैराज से लेकर गांधीनगर थर्मल पावर स्टेशन तक के चरणबद्ध ढंग से किए जाने वाले कामकाज का विवरण दिया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सूरत में निर्मित हो रहे ड्रीम सिटी के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सहित जो मास्टर प्लान राज्य सरकार में सबमिट किया गया है, उसके संदर्भ में इस बैठक में चर्चा-परामर्श किया गया।

इस बैठक में श्रम एवं रोजगार विभाग के प्रोजेक्ट्स की समीक्षा के दौरान कौशल्य = द स्किल यूनिवर्सिटी के निर्माण तथा उससे जुड़े विषयों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने समग्र कामकाज तेजी से पूर्ण करने का सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सम्बद्ध सचिवों को सभी हाई प्रायोरिटी प्रोजेक्ट्स में क्वॉलिटी एश्योरेंस तथा टाइमलाइन को प्राथमिकता देने के आवश्यक निर्देश दिए।

इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, प्रोजेक्ट्स से जुड़े विभागों के अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री एस. एस. राठौड़, विभागों के प्रधान सचिव, मुख्यमंत्री की अपर प्रधान सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. विक्रांत पांडे तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी सहभागी हुए।

गुजरात बन रहा फेफड़ों के कैंसर उपचार का राष्ट्रीय केंद्र, 5 सालों में 4,397 मरीजों को मिला जीवनदान

- 2020 से 2024 तक ऋङ्गफ्क में फेफड़ों के कैंसर के 4,397 मरीजों का हुआ इलाज
- PMJAY-MA योजना के तहत 3256 मरीजों ने उपचार की सुविधा ली
- कैंसर से बचाव के लिए समय पर जांच और तंबाकू त्याग की GCRI की अपील

गांधीनगर, 31 जुलाई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "स्वस्थ भारत-समृद्ध भारत" के विजन को साकार करने के अनुरूप मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार अपने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई पर ले जा रही है। कैंसर जैसे घातक रोगों के खिलाफ राज्य की प्रतिबद्धता का केंद्र बना है अहमदाबाद स्थित धी गुजरात कैंसर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (GCRI), जहां पिछले पाँच वर्षों में फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे हजारों मरीजों को आधुनिकतम उपचार मिला है। गुजरात की स्वास्थ्य सेवाओं में किए जा रहे नवाचार और सशक्त पहलें न केवल राज्य, बल्कि पूरे देश को एक सुदृढ़ और स्वस्थ समाज की ओर अग्रसर कर रही हैं।

कैंसर उपचार के लिए मरीजों का गुजरात पर बढ़ता भरोसा

गुजरात सरकार का लक्ष्य है कि

राज्य को वैश्विक स्तर पर मेडिकल सर्विसेज का सर्वश्रेष्ठ केंद्र बनाया जाए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व और राज्य की स्वास्थ्य नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है कि पिछले पाँच वर्षों में फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए गुजरात पर मरीजों का विश्वास लगातार बढ़ा है।

2020 से 2024 के बीच अहमदाबाद स्थित गुजरात कैंसर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (GCRI) में फेफड़ों के कैंसर के कुल 4,397 मरीजों का उपचार हुआ। इनमें 3,597 पुरुष, 799 महिलाएँ और 1 बच्चा शामिल हैं। वर्षवार आँकड़ों की बात करें तो वर्ष 2020 में 700, 2021 में 813, 2022 में 865, 2023 में 933 और वर्ष 2024 में सबसे अधिक 1086 मरीजों ने राज्य में फेफड़ों के कैंसर का उपचार लिया है।

PMJAY योजनाः फेफड़ों के कैंसर मरीजों के लिए जीवनरेखा

गुजरात में फेफड़ों के कैंसर के उपचार को सुलभ और सर्वसुलभ बनाने में ढटखअ-टअ योजना एक सच्ची जीवनरेखा साबित हुई है। बीते पाँच वर्षों में इस योजना के अंतर्गत गुजरात के मरीजों को उन्नत उपचार मिला, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बड़ी राहत मिली है। इस पहल ने न केवल इलाज की वित्तीय बाधाओं को कम किया, बल्कि समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर कई जिंदगियाँ बचाईं।

वहीं, देश के अन्य राज्यों से आए 1426 फेफड़ों के कैंसर के मरीजों को भी गुजरात में उपलब्ध अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से उन्हें नया जीवनदान मिला है। यह साबित करता है कि गुजरात न केवल राज्य के नागरिकों के लिए बल्कि देशभर के मरीजों के लिए भी भरोसेमंद चिकित्सा केंद्र के रूप में उभर रहा है।

विश्व फेफड़ा कैंसर दिवस पर GCRI की अपीलः जागरूकता ही सबसे बड़ी सुरक्षा

विश्व फेफड़ा कैंसर दिवस पर GCRI ने लोगों से फेफड़ों के कैंसर की रोकथाम, समय पर जांच और उपचार के लिए सक्रिय कदम उठाने की अपील की है। संस्थान ने चेतावनी दी कि जागरूकता की कमी के कारण भारत में 40% से अधिक मामलों का पता देर से चलता है, जिससे इलाज की जटिलताएँ बढ़ जाती हैं। संस्थान ने उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों, विशेषकर लंबे समय से धूम्रपान करने वालों और प्रदूषकों के संपर्क में रहने वालों से लो-डोज सीटी स्कैन कराने का आग्रह किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि शुरूआती जांच और त्वरित उपचार ही इस बीमारी के खिलाफ सबसे प्रभावी कदम है।

GCRI के निदेशक डॉ. शशांक पंड्या ने इस अवसर पर कहा, "फेफड़ों के कैंसर के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार जागरूकता है। समय पर स्क्रीनिंग, तंबाकू का त्याग और शुरूआती चेतावनी संकेतों की पहचान कई जिंदगियाँ बचा सकती है। हम हर मरीज को उन्नत निदान उपकरण और बहु-विषयक देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

मेडिकल टूरिज्म का उभरता वैश्विक केंद्रः गुजरात

गुजरात अपनी तेजी से विकसित स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक अधोसंरचना के साथ देश ही नहीं, विश्व के लिए भी मेडिकल टूरिज्म का भरोसेमंद केंद्र बन रहा है। अहमदाबाद स्थित गुजरात कैंसर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (GCRI) साइबरनाइफ, ट्रू बीम लीनियर एक्सेलेरेटर, टोमोथेरेपी और रोबोटिक सर्जरी जैसी उन्नत तकनीकों और नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (ठॠ), ढएळ-उळ, ढरटअ स्कैन व 3 टेस्ला टफक्ष जैसे हाई-रेजोल्यूशन उपकरणों के जरिए कैंसर उपचार में अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतर रहा है।

गिल ने किया वो कारनामा, जो नहीं कर पाया कोई भारतीय कप्तान, बनाया ऐसा रिकॉर्ड जो पहले कभी नहीं बना

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट मैच में टीम इंडिया अपना पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच खेल रही है। पहले दिन टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया लंच से पहले भारत ने दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद शुभमन गिल बैटिंग करने के लिए आए।

शुभमन गिल इस सीरीज में धाकड़ बैटिंग करते हुए आए हैं और इंग्लैंड के गेंदबाजों का धुआं निकाल दिया। इस बीच गिल ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो अन्य कोई भारतीय कप्तान नहीं कर पाया। टेस्ट क्रिकेट में गिल ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

टेस्ट इतिहास में गिल ने ऐसा मुकाम हासिल किया है, जहां तक अन्य कोई भारतीय कप्तान नहीं पहुंच पाया। वह एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं और इस मामले में महान सुनील गावस्कर का कीर्तिमान ध्वस्त कर दिया है, गिल अब टॉप पर हैं।

गिल ने गावस्कर को पछाड़ा

सुनील गावस्कर ने बतौर कप्तान साल 1979 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध खेलते हुए एक सीरीज में 732 रनों का आंकड़ा प्राप्त किया था, गिल इस आंकड़े से आगे निकलकर टॉप पर आ गए हैं। टॉप पांच की लिस्ट में गिल और गावस्कर के बाद तीन बार विराट कोहली का नाम है।

कोहली भी लिस्ट में शामिल

विराट कोहली ने तीन बार बतौर कप्तान रहते एक सीरीज में धमाल मचाया था। कोहली ने 2016/17 में

इंग्लैंड के खिलाफ 655 रन बनाए थे। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में 610 का आंकड़ा हासिल किया था। 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ 593 रनों का आंकड़ा भी प्राप्त किया।

इंग्लैंड ने तेज गेंदबाजों को मदद दिलाने के लिए ग्रीन पिच का निर्माण किया और टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। यह सही साबित हुआ। गेंदबाजों ने काफी स्विंग भी कराई और लंच से पहले जायसवाल और केएल राहुल को पवेलियन की राह दिखा दी।

बतौर कप्तान टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन वाले भारतीय कप्तान

733 - शुभमन गिल बनाम इंग्लैंड, 2025*

732 - सुनील गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज, 1978/79

655 - विराट कोहली बनाम इंग्लैंड, 2016/17

610 - विराट कोहली बनाम श्रीलंका, 2017/18

593 - विराट कोहली बनाम इंग्लैंड, 2018

'अंधेरे रूम में बेल्ट से पिटाई, नीले पड़े हाथ-पैर, नंगा कर लटकाने की धमकी'- साध्वी प्रज्ञा की जेल यातनाएं

(जीएनएस)।

31 जुलाई 2025 को मुंबई की विशेष एनआईए कोर्ट ने मालेगांव बम विस्फोट 2008 केस में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सातों आरोपियों को बरी कर दिया। इस फैसले ने 17 साल पुराने इस हाई-प्रोफाइल मामले को खत्म कर दिया, जिसमें 6 लोगों की मौत और 95 लोग घायल हुए थे।

लेकिन इस फैसले से ज्यादा चर्चा में हैं साध्वी प्रज्ञा की जेल में बिताए 9 सालों की यातनाएं, जिनके खौफनाक खुलासों ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। अंधेरे कमरे में बेल्ट से पिटाई, नंगा कर लटकाने की धमकी और कैंसर तक की वजह-आइए, साध्वी की जुबानी जानते हैं उनकी रूह कंपा देने वाली कहानी...

क्या था मामला?

29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में रमजान के दौरान मस्जिद के पास अंजुमन चौक पर एक मोटरसाइकिल में बम धमाका हुआ। इस विस्फोट में 6 लोग मारे गए और 95 घायल हुए। जांच में मोटरसाइकिल साध्वी प्रज्ञा के नाम पर रजिस्टर्ड पाई गई, जिसके बाद महाराष्ट्र अळर ने उन्हें 23 अक्टूबर 2008 को गिरफ्तार किया। अळर ने दावा किया कि यह हमला 'हिंदू चरमपंथियों' ने सांप्रदायिक तनाव पैदा करने के लिए किया। साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित समेत 11 लोगों पर वअढअ, टउडउअ, और क्ढउ की धाराओं में केस दर्ज हुआ।

साध्वी प्रज्ञा की जेल यातनाएंः रूह कंपा देने वाली कहानी

2018 में साध्वी प्रज्ञा ने अपनी जेल यात्रा के भयावह अनुभव साझा किए, जिन्हें सुनकर हर कोई सन्न रह गया। इंडिया टीवी के आप की अदालत में रजत शर्मा के सामने साध्वी ने रुंधे गले से बतायाः-

अंधेरे कमरे में 13 दिन की कैदः 'मुझे अळर ने 13 दिन तक एक छोटे, अंधेरे कमरे में बंद रखा। पहले दिन से ही बेल्ट से पिटाई शुरू हुई। मेरे हाथ-पैर नीले-काले पड़ गए। मैं एक गिलास पानी भी नहीं पकड़ पाती

थी।'

नंगा कर लटकाने की धमकीः 'जेल अधिकारी मुझे गालियां देते थे। उन्होंने मुझे उल्टा लटकाने और नंगा करने की धमकी दी। यह बात कहना मेरे लिए आसान नहीं, लेकिन मैंने जो सहा, वह कोई बहन न सहे।'

24 दिन की लगातार यातनाः 'मुझे 24 दिन तक बिना रुके पीटा गया। जब वे थक जाते, तो गालियां देते। मुझे सोने नहीं दिया जाता था, ताकि मैं मानसिक रूप से टूट जाऊं।

गर्म पानी में नमक डालकर यातनाः 'पिटाई से मेरे हाथों से खून निकलने का डर होता था, तो वे गर्म पानी में नमक डालकर मेरे हाथ डुबोते थे, ताकि फिर से पीट सकें।'

साध्वी ने दावा किया कि पूछताछकर्ता उनसे यह कबूल करवाना चाहते थे कि उन्होंने बम धमाका किया और मुसलमानों की हत्या की। उन्होंने कहा, 'वे मुझसे कहते थे कि मैं आतंकवादी हूं, फ्स्र आतंकी संगठन है। मुझे एहसास हुआ कि हिंदुत्व को निशाना बनाया जा रहा है। वे चाहते थे कि मैं योगी आदित्यनाथ और फ्स्र नेताओं को फंसाऊं।'

कैंसर और एनकाउंटर की साजिश?

साध्वी ने सनसनीखेज आरोप लगाया कि जेल में तीन नार्को टेस्ट, तीन पॉलीग्राफ टेस्ट, और तीन ब्रेन-मैपिंग टेस्ट किए गए, जिनमें उनके शरीर में रसायन डाले गए। उन्होंने दावा किया, 'इन टेस्ट्स की वजह से मुझे ब्रेस्ट कैंसर हुआ।' साध्वी ने यह भी कहा कि अळर ने एनकाउंटर के बहाने उन्हें मारने की कोशिश की। 'मुझे लगा, अगर वे मुझे मार भी देंगे, तो भी मैं भारत माता के प्रति अपनी निष्ठा नहीं तोडूंगी।'

कानूनी लड़ाई और बरी होना

2008-2011: अळर की जांच में साध्वी को मुख्य आरोपी बनाया गया। 2009 में अळर ने 11 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया, जिसमें अभिनव भारत संगठन पर साजिश का आरोप था।

2011: मामला ठक्अ को सौंपा गया। ठक्अ ने अळर की जांच में खामियां पाईं और मकोका हटाने की सिफारिश की।

2016: ठक्अ ने साध्वी समेत कुछ आरोपियों को क्लीन चिट दी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर सात आरोपियों पर मुकदमा चलाने का आदेश दिया।

2017: साध्वी को अप्रैल 2017 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी। कर्नल पुरोहित को अगस्त 2017 में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली।

2018-2024: मुकदमे में 323 गवाहों की जांच हुई, जिनमें से 34 अपने बयानों से मुकर गए। 2024 में कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भी मिली।

31 जुलाई 2025: विशेष ठक्अ कोर्ट ने सबूतों के अभाव में सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मोटरसाइकिल में बम होने का कोई ठोस सबूत नहीं मिला।

साध्वी की राजनीतिक पारी

2019 में साध्वी प्रज्ञा ने बीजेपी के टिकट पर भोपाल-सीहोर से लोकसभा चुनाव लड़ा और कांग्रेस के दिग्गज दिग्विजय सिंह को हराया। उन्होंने अपनी जेल यातनाओं को चुनावी मुद्दा बनाया और कहा, 'मैंने जो दर्द सहा, वह कोई बहन न सहे।' 2024 तक वह सांसद रहीं, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उनकी सक्रियता कम रही।

मालेगांव विस्फोट के वक्त किसी थी भारत में सरकार? कौन था ढट?

आपको बता दें कि, 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक डॉ. मनमोहन सिंह ढट रहे और कांग्रेस-नेतृत्व वाली सरकार का नेतृत्व किया। यह, क्ल्ल्ल्ल ठं३ड्ढल्लं' उड्ढल्ल्१्र२ (क्ठउ) की अगुवाई वाली वल्ल३्रीि ढ१ङ्ग्१्र२९्री अ'ं्रल्ली (वढअ) सरकार थी, जिसमें कई क्षेत्रीय दल शामिल थे। भाजपा की एकल-दलीय (३ल्लॅ ी-स्र१३८) पूर्ण बहुमत वाली सरकार पहली बार 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी, जब इखढ ने लोकसभा में अकेले 282 सीटें जीती।

क्या है इस कहानी का सच?

साध्वी प्रज्ञा की यातनाओं की कहानी ने लोगों को भावुक कर दिया, लेकिन इसने कई सवाल भी खड़े किए। क्या यह एक राजनीतिक साजिश थी? क्या अळर ने जल्दबाजी में साध्वी को फंसाया? या फिर पीड़ित परिवारों को इंसाफ से वंचित रखा गया? 17 साल बाद भी यह मामला रहस्यों से भरा है।

अब पर्दे पर दिखेगी 'हनीमून मर्डर केस' की कहानी, कौन निभाएगा सोनम रघुवंशी का किरदार?

(जीएनएस)।

इंदौर के चर्चित रघुवंशी मर्डर केस ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है, आज भी लोगों के मन ये सवाल है कि आखिर सोनम ने अपने पति राजा की हत्या क्यों की? अगर उसे उसके साथ नहीं रहना था तो ना रहती लेकिन हनीमून पर ले जाकर उसे मारने की क्या जरूरत थी?

फिलहाल सोनम रघुवंशी जेल में हैं, उस पर आरोप है कि उसने अपने तथाकथित प्रेमी और भाड़े के लोगों को हायर करके अपने पति राजा की हत्या की है।

मेघालय पुलिस के मुताबिक तो सोनम ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया, राजा के घरवाले अपने बेटे की मौत के गम में डूबे हुए हैं तो वहीं उनका कहना है कि 'अगर सच में सोनम गुनाहगार है तो उसे फांसी होनी चाहिए।'

सोनम की बेवफाई की कहानी लोग पर्दे पर देख पाएंगे

फिलहाल केस चल रहा है, अब सोनम सच में कातिल है या नहीं इसका फैसला तो अदालत करेगी लेकिन इससे पहले सोनम की बेवफाई की कहानी लोग पर्दे पर देख पाएंगे। दरअसल देश के इस हनीमून मर्डर केस स्टोरी पर फिल्म बनने जा रही है, जिसे कि राजा के घरवालों ने ग्रीन सिग्नल भी दे दिया है।

याकांड पर कौन फिल्म बनाने जा रहा है? तो आपको बता दें कि इस फिल्म को बनाने जा रहे हैं डायरेक्टर एसपी निम्बावत, जिन्होंने इस बारे में राजा के घरवालों से मुलाकात की है। जहां से उन्हें स्वीकृति मिल गई है।

फिल्म की अधिकांश शूटिंग इंदौर में होगी

मीडिया से बात करते हुए डायरेक्टर निम्बावत ने कहा कि 'राजा के साथ जो हुआ है वैसा और किसी के साथ ना हो इसलिए हमने इस पर फिल्म बनाने की सोची है। हमारी कहानी तैयार है, फिल्म की अधिकांश शूटिंग इंदौर में होगी, जबकि कुछ शॉट्स मेघालय में फिल्माए जाएंगे। फिल्म का नाम 'हनीमून इन शिलांग' होगा।'

फिल्म के बारे में राजा के भाई सचिन ने कहा कि 'हम चाहते हैं कि मेरे भाई के साथ जो हुआ है उसके बारे में हर किसी को पचा चले, लोगों को समझ तो आए कि कौन सही था और कौन गलत? मालूम हो कि पहले कहा जा रहा था कि 'इस टॉपिक पर फिल्म बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार आमिर खान बनाने जा रहे हैं लेकिन बाद में ये बात अफवाह निकली।'

सोनम पर फिल्म बनने की खबर के बाद से सोशल मीडिया पर चर्चा गर्म हो गई है कि फिल्म में सोनम का किरदार कौन निभाएगा? लोगों ने तो इसके लिए नाम भी सुझाने लगे हैं लेकिन अभी फिल्म के बनने की खबर सामने आई हैं स्टार कास्ट का खुलासा नहीं हुआ है। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी कर दिया गया है।

आइए एक नजर डालते हैं राजा रघुवंशी मर्डर केस पर, इंदौर की रहने वाली सोनम रघुवंशी की शादी राजा रघुवंशी से 11 मई 2025 को हुई थी। दोनों हनीमून मनाने के लिए 20 मई को मेघालय गए थे। 23 मई से दोनों लापता थे, दोनों का मोबाइल भी बंद था। लंबे वक्त से दोनों से संपर्क ना होने की वजह सोनम और राजा के परिवारवालों ने पुलिस की मदद मांगी और फिर मेघालय पुलिस ने जांच शुरू की।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

वडोदरा मंडल पर मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति (DRUCC) की द्वितीय बैठक का आयोजन मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, वडोदरा में किया गया। बैठक के प्रारंभ में समिति के सचिव व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री नरेन्द्र कुमार ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। इसके बाद समिति के अध्यक्ष एवं वडोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके द्वारा संक्षिप्त प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभी सदस्यों को मंडल की गतिविधियों एवं विकास कार्यों से अवगत कराया गया। इस दौरान समिति सदस्यों द्वारा अपने अपने क्षेत्र की रेल समस्याओं, ट्रेनों के स्टॉपेज, विस्तार, नई परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने तथा मंडल के स्टेशनों पर बेहतर यात्री सुविधाएं प्रदान करने के लिए अपने सुझाव दिये । मंडल

रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने सभी सदस्यों के सुझावों पर शीघ्र उचित कार्यवाही का आश्वासन देते हुए कहा कि यात्री सुविधाओं का विकास वडोदरा मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

इस आयोजित बैठक में माननीय सदस्यों में सर्वश्री निपम रजनीकांत देसाई, श्री भरत आर गुप्ता, श्री नीलेशकुमार आई पटेल, श्री ईश्वर पी सज्जन, श्री दिलीप वी कोठारी, श्री वंदनकुमार बी पंड्या, श्री ओमकारनाथ तिवारी, श्री एम. हबीब लोखंडवाला, श्री इंद्रवदन एस जोशी, डॉ. पारुल पटेल, श्री केवल एन शाह, श्री व्यास मितलभाई कौशिकभाई, श्री अतुल कुमार एम ब्रह्मभट्ट, श्री शानील वी पटेल, श्री राकेशचंद्र वी व्यास, श्री कांतिभाई एम सोढ़ापरमार, श्री हर्षदभाई सी रादडिया और श्री अनिल कुमार शर्मा उपस्थित थे। बैठक के दौरान वडोदरा मंडल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

उर्वशी रौतेला के साथ लंदन में हो गया ऐसा कांड, 70 लाख रुपए से जुड़ा कनेक्शन, क्या हुआ एक्ट्रेस के साथ?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला एक बार फिर सुर्खियों में छा गई हैं। इस बार वजह कोई फैशन स्टेटमेंट या फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़ा चोरी का मामला है। इस खबर के सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर उर्वशी रौतेला को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है।

उर्वशी रौतेला के 70 लाख रुपए के गहने हुए चोरी

उर्वशी रौतेला ने दावा किया है कि जब वह लंदन के विंबलडन टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए वहां पहुंचीं थीं, तब गैटविक एयरपोर्ट पर उनका लग्जरी बैग चोरी हो गया था। बताया जा रहा है कि उस बैग में करीब 70 लाख रुपए के कीमती गहने थे।

उर्वशी के साथ लंदन एयरपोर्ट पर हुआ ऐसा कांड

उर्वशी रौतेला की टीम के तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि एक्ट्रेस मुंबई से एमिरेट्स की फ्लाइट से लंदन पहुंची थीं। लेकिन जब उन्होंने अपना सामान लेने की कोशिश की, तो उनका क्रिश्चियन डायर ब्राउन बैग लगेज बेल्ट से गायब था।

उर्वशी रौतेला ने पहनी ऐसी ड्रेस, फोटो खींचकर पीछे मुड़ीं और फिर दिखा 'सबकुछ', वायरल हो रहा है वीडियो

उर्वशी रौतेला ने पहनी ऐसी ड्रेस, फोटो खींचकर पीछे मुड़ीं और फिर दिखा 'सबकुछ', वायरल हो रहा है वीडियो

उर्वशी रौतेला ने कहा- मेरी किसी ने कोई मदद नहीं की

-अपने बयान में उर्वशी रौतेला ने कहा है- मैं एक प्लैटिनम एमिरेट्स मेंबर और विंबलडन में शामिल होने आई एक ग्लोबल आर्टिस्ट हूं। इस स्थिति ने मुझे बहुत निराश किया है। हमारे पास बैग का टैग और टिकट था, फिर भी बैग लापता हो गया। ये सिर्फ चोरी नहीं, सुरक्षा की बड़ी चूक है।

-उर्वशी रौतेला ने ये भी बताया कि उन्होंने एमिरेट्स कस्टमर सपोर्ट और गैटविक एयरपोर्ट अधिकारियों से कई बार संपर्क किया, लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की। आपको बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब उर्वशी रौतेला की ओर से चोरी का मामला सामने आया है।

पूर्व मैनेजर वेदिका प्रकाश शेट्टी पर लगाए थे गंभीर आरोप

इसी महीने उर्वशी रौतेला की मां मीरा रौतेला ने पूर्व मैनेजर वेदिका प्रकाश शेट्टी पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि वेदिका, जो साल 2015 से 2017 के बीच उर्वशी की एक्सिक्यूटिव असिस्टेंट रही थीं, ने कई बार एक्ट्रेस के पर्सनल सामान में हेरफेर और चोरी की थी।

पश्चिम रेलवे वेलांकन्नि त्योहार के लिए बांद्रा टर्मिनस से चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, यात्रियों की सुविधा के लिए तथा वेलांकन्नि त्योहार 2025 की पूर्व संध्या पर अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस और वेलांकन्नि के बीच एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः-

ट्रेन संख्या 09093/09094 बांद्रा टर्मिनस - वेलांकन्नि स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09093 बांद्रा टर्मिनस-वेलांकन्नि स्पेशल बुधवार, 27 अगस्त, 2025 और शनिवार, 06 सितंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 20:40 बजे प्रस्थान करेगी और क्रमशः शुक्रवार एवं सोमवार को 07:40 बजे वेलांकन्नि पहुंचेगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्या 09094 वेलांकन्नि-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शनिवार, 30 अगस्त, 2025 और मंगलवार, 09 सितंबर, 2025 को वेलांकन्नि से 00:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वसई रोड, पनवेल, लोनावला, पुणे, दौंड, सोलापुर, कलबुरगि, वाडी, यादगिर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, अदोनि, गुंतकल, गूटी, ताडिपत्रि, यर्रगुंटला, कडप्पा, राजमपेटा, रेणिगुंटा, काटपाडी, वेलूर छावनी, तिरुवण्णामलै, विल्लुपुरम, मयिलाडुतुरै और नागप्पट्टिनम स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09093 की बुकिंग 03 अगस्त, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और क्ष्ळ्ळउ वेबसाइट पर शुरू होगी। उपर्युक्त स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मधु कोड़ा की राह पर प्रशांत किशोर, क्या जनस्वराज बन पाएगा गेमचेंजर या रहेगा हाशिए पर?

(जीएनएस)।

बिहार की सियासत इन दिनों एक सवाल के इर्द-गिर्द घूम रही है - क्या चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर (ढङ), 2025 के चुनाव में कोई बड़ा 'खेल' करने जा रहे हैं? क्या उनकी जन सुराज पार्टी वह तीसरा विकल्प बनकर उभरेगी जिसकी तलाश बिहार के युवा और निराश वोटर सालों से कर रहे थे?

PK की रणनीति और 'BRDK' जातीय फॉमूर्ला

PK की पार्टी सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। उनके अनुसार, बिहार में बदलाव की लहर है, और जनता पारंपरिक दलों से ऊब चुकी है। उन्होंने ब्राह्मण, राजपूत, दलित और कुर्मी जातियों को केंद्र में रखते हुए 'BRDK' फामूर्ला गढ़ा है, जो जातीय रूप से बंटी बिहार की राजनीति में

असर छोड़ सकता है। लेकिन क्या सिर्फ जातीय गणित और भीड़ जुटाने से सत्ता तक पहुंचा जा सकता है?

जन सुराज को कितनी सीटें?

राजनीतिक विश्लेषकों का आकलन है कि जन सुराज को 10 से 30 सीटों तक मिल सकती हैं, खासकर वहां जहां मुकाबला त्रिकोणीय हो या जहां युवाओं, अति पिछड़ों और दलितों में Prashant Kishor का प्रभाव हो। बिहार में औसत जीत का अंतर करीब 16,825 वोट का रहा है। PK की टीम इसी फासले को टारगेट कर छोटे-छोटे ब्लॉकों में प्रचार कर रही है।

क्या मधु कोड़ा की तरह सीएम बन सकते हैं PK?

2006 में झारखंड में मधु कोड़ा ने निर्दलीय विधायकों की मदद से सीएम बनने का करिश्मा किया था। बिहार में भी अगर कोई गठबंधन बहुमत से चूकता है, और जन सुराज 20-30 सीटें जीतने में सफल रहती है, तो PK एक किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

हालांकि, मधु कोड़ा का उदाहरण बिहार में सीधे लागू नहीं होता, क्योंकि वहां का परिदृश्य अलग था

पश्चिम रेलवे चलाएगी दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा को मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-ओखा और बांद्रा टर्मिनस-सांगानेर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09077/09078 बांद्रा टर्मिनस = ओखा स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09077 बांद्रा टर्मिनस-ओखा स्पेशल गुरुवार और रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16:45 बजे ओखा पहुँचेगी। यह ट्रेन 14 और 17 अगस्त, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09078 ओखा-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शनिवार और मंगलवार को ओखा से 08:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 और 19 अगस्त, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेंद्रनगर, वांकानेर, राजकोट, जामनगर और द्वारका स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी -3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09023/09024 बांद्रा टर्मिनस = सांगानेर सुपरफास्ट स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09023 बांद्रा टर्मिनस-सांगानेर सुपरफास्ट स्पेशल गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 16:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:30 बजे सांगानेर पहुँचेगी। यह ट्रेन 7 और 14 अगस्त, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09024 सांगानेर-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल शुक्रवार को सांगानेर से 16:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 8 और 15 अगस्त, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, चौमहला, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा और सवाई माधोपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09077, 09078 एवं 09023 की बुकिंग 3 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। इन ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भारत की 'मृत अर्थव्यवस्था' वाले बयान पर बुरे फंसे राहुल गांधी, खुद की पार्टी के लोगों ने ही दिखाया आईना

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताए जाने वाले बयान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सहमति जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर कड़ी आलोचना की। गांधी ने आरोप लगाया कि भारतीय अर्थव्यवस्था मृत है। पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है।

राहुल गांधी ये बयान देकर अपनों के बीच ही बुरी तरह घिर गए हैं। राहुल गांधी की मोदी सरकार की इस आलोचना का वार उल्टा पड़ गया है। उनकी पार्टी के ही कुछ वरिष्ठ सदस्यों और सहयोगियों ने विपरीत रुख अपनाया है और उनके इस बयान पर अहमति जताया है। इसके साथ ही राहुल के ट्रंप के बयान पर दी गई प्रतिक्रिया पर भाजपा गुस्से से भर उठी है। भाजपा ने राहुल गांधी के इस रवैये को "शर्मनाक" करार दिया है।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने भारत से निर्यात होने वाले सामानों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए 25% टैरिफ पर प्रधानमंत्री से सवाल उठाया। जब उनसे ट्रंप के 'मृत अर्थव्यवस्था' वाले बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो गांधी ने कहा, "हाँ, वह सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर बाकी सब यह जानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था 'मृत' है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक तथ्य बताया है।"

गांधी ने आगे कहा, "पूरा विश्व जानता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मृत है। भाजपा ने अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने भारत की आर्थिक, रक्षा और विदेश नीति को तबाह कर दिया है।

'एक भारत के लिए, दूसरा विदेशी आकाओं के लिए', अन्नामलाई ने राहुल गांधी को घेरते हुए इस कांग्रेसी की जमकर तारीफ

'एक भारत के लिए, दूसरा विदेशी आकाओं के लिए', अन्नामलाई ने राहुल गांधी को घेरते हुए इस कांग्रेसी की जमकर तारीफ

शशि थरूर ने क्या कहा?

वहीं, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी के स्टैंड से अलग राय रखते हुए कहा, "भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता 'चुनौतीपूर्ण' है। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका अपनी मांगें मनवाने में अनुचित है, तो भारत को अन्य बाजारों की ओर देखना चाहिए। थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत पूरी तरह से निर्यात पर निर्भर नहीं है और उसका घरेलू बाजार मजबूत है।"

अपने एक लेख में थरूर ने ट्रंप की टिप्पणियों को भारत की व्यापार और विदेश नीति के प्रति एक 'लेन-देन' वाला और सरलीकृत दृष्टिकोण बताया, जहाँ व्यापार घाटे को व्यक्तिगत अपमान माना जाता है।

राजीव शुक्ला ने क्या कहा?

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने ट्रंप के बयान को "पूरी तरह से गलत" करार दिया। शुक्ला ने स्पष्ट किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था मृत नहीं है। उन्होंने कहा, "जब पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह थे तब आर्थिक सुधार किए गए थे। अटल बिहारी वाजपेयी ने उन सुधारों को आगे बढ़ाया। मनमोहन सिंह ने अपने 10 वर्षों में इसे मजबूत किया। मौजूदा सरकार ने भी इस पर काम किया है। हमारी आर्थिक स्थिति बिल्कुल भी कमजोर नहीं है।"

प्रियंका चतुवेर्दी ने क्या कहा?

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुवेर्दी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के अहंकार की आलोचना की और कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने कहा, "यह कहने की आवश्यकता नहीं है, विश्वसनीय डेटा उपलब्ध है जो बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष 5 में है और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसे मृत अर्थव्यवस्था कहना केवल अहंकार या अज्ञानता से ही आ सकता है।"

गुस्से से लाल हुई भाजपा, बोली- वाकई शर्मनाक

भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति को कम आंकने के उनके प्रयास 140 करोड़ भारतीयों का अपमान हैं। मालवीय ने मुद्रास्फीति में 6 साल की गिरावट, जून में ट्रैक्टर बिक्री में 8.7% की वृद्धि जैसे कई आर्थिक संकेतकों का हवाला देते हुए भारत की मजबूत वृद्धि पर प्रकाश डाला।

ट्रंप ने भारत पर लगाया 25% टैरिफ कदम

इससे पहले, बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 1 अगस्त से भारत से आने वाले सभी सामानों पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। साथ ही, रूस से तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर एक अज्ञात 'जुमार्ना' भी लगाने की बात कही थी।

पश्चिम रेलवे वेलांकन्नि त्योहार के लिए बांद्रा टर्मिनस से चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा के लिए तथा वेलांकन्नि त्योहार 2024 की पूर्व संध्या पर अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस और वेलांकन्नि के बीच एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः-

ट्रेन संख्या 09093/09094 बांद्रा टर्मिनस - वेलांकन्नि स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09093 बांद्रा टर्मिनस-वेलांकन्नि स्पेशल बुधवार, 27 अगस्त, 2025 और शनिवार, 06 सितंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 20:40 बजे प्रस्थान करेगी और क्रमशः शुक्रवार एवं सोमवार को 07:40 बजे वेलांकन्नि पहुंचेगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्या 09094 वेलांकन्नि-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शनिवार, 30 अगस्त, 2025 और मंगलवार, 09 सितंबर, 2025 को वेलांकन्नि से 00:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वसई रोड, पनवेल, लोनावला, पुणे, दौंड, सोलापुर, कलबुरगि, वाडी, यादगिर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, अदोनि, गुंतकल, गूटी, ताडिपत्रि, यर्रगुंटला, कडप्पा, राजमपेटा, रेणिगुंटा, काटपाडी, वेलूर छावनी, तिरुवण्णामलै, विल्लुपुरम, मयिलाडुतुरै और नागप्पट्टिनम स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09093 की बुकिंग 03 अगस्त, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। उपर्युक्त स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.inपर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

आसाराम आश्रम की बाउंड्रीवॉल पर क्यों चला बुलडोजर, जेसीबी के सामने हंगामा, जानिए पूरा मामला

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गांधीनगर स्थित संत आसाराम बापू के आश्रम में 31 जुलाई 2025 को जमीन विवाद को लेकर जिला प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई ने तूल पकड़ लिया। बैरागढ़ तहसीलदार हर्षविक्रम सिंह के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम खउइ मशीनों के साथ आश्रम की बाउंड्रीवॉल तोड़ने पहुंची, लेकिन आश्रम में पढ़ने वाले बच्चों और संस्कृति बचाओ मंच के कार्यकताओं के तीव्र विरोध के बाद कार्रवाई रोकनी पड़ी।

बच्चों ने JCB के सामने खड़े होकर दीवार तोड़ने से रोका, जिससे करीब तीन घंटे तक हंगामा चला। इस दौरान कुछ बच्चों को मामूली चोटें भी आईं। प्रशासन ने इसे कोर्ट के आदेश पर की गई कार्रवाई बताया, जबकि आश्रम प्रबंधन और समर्थकों ने इसे बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरा करार दिया।

31 जुलाई 2025 को दोपहर करीब 12 बजे बैरागढ़ तहसीलदार हर्षविक्रम सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम, जिसमें चार मजिस्ट्रेट, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, और भारी पुलिस बल शामिल था, गांधीनगर के आसाराम बापू आश्रम पहुंची। टीम ने आश्रम की 10 फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल के 20-25 फीट हिस्से को खउइ मशीनों से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई एक जमीन विवाद से जुड़े कोर्ट के आदेश के तहत की गई थी, जिसमें विवादित जमीन का कब्जा संबंधित पक्षकार को दिलवाना था।

हालांकि, कार्रवाई शुरू होते ही आश्रम में पढ़ने वाले बच्चे और स्टाफ विरोध में उतर आए। बच्चों ने खउइ मशीनों को घेर लिया और दीवार तोड़ने से रोकने के लिए उनके सामने खड़े हो गए। इस दौरान कुछ बच्चों को मामूली चोटें आईं, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। संस्कृति बचाओ मंच के संयोजक चंद्रशेखर तिवारी भी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का विरोध जताया। आश्रम सेवक राहुल सिंह ने कहा, "बाउंड्रीवॉल तोड़ने से बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। यह आश्रम बच्चों के लिए गुरुकुल है, जहां वे पढ़ाई और संस्कार सीखते हैं।" करीब तीन घंटे के हंगामे के बाद प्रशासनिक टीम को कार्रवाई रोककर वापस लौटना पड़ा।

गांधीनगर में आसाराम बापू के आश्रम का यह विवाद 11 एकड़ जमीन से जुड़ा है, जिस पर आश्रम ने कथित तौर पर अतिक्रमण किया है। 2013 में तहसीलदार आकाश श्रीवास्तव के कार्यालय में शिकायत दर्ज की गई थी कि आश्रम ने दो भूस्वामियों की जमीन पर कब्जा किया है। तहसीलदार कोर्ट ने प्रारंभिक तौर पर आश्रम को अतिक्रमण का दोषी पाया था, लेकिन आश्रम प्रबंधन ने इस फैसले को रउ्द (लैंड रेवेन्यू) कोर्ट, बैरागढ़ में चुनौती दी। यह मामला अभी विचाराधीन है।

अहमदाबाद स्टेशन पर आरपीएफ स्टाफ अमन कुमार ने आत्महत्या का प्रयास करने वाले मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की जान बचाई

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर दिनांक 31.07.2025 को प्लेटफार्म नंबर 04/05 के साउथ साइड के रेलवे पुल की सीढ़ियों पर एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति द्वारा रस्सी से लटककर आत्महत्या करने का प्रयास किया गया। स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात रेल सुरक्षा बल (RPF) के कांस्टेबल अमन कुमार ने स्टेशन पर उपस्थित कुली की मदद से समय पर हस्तक्षेप कर इस अत्यंत संवेदनशील एवं संकटपूर्ण स्थिति में तत्परता, सतर्कता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उस व्यक्ति की जान बचाई। उस व्यक्ति के हाथ में कांच की टूटी हुई बोतल भी थी, जिससे स्टाफ को शारीरिक क्षति पहुँच सकती थी, परंतु अपनी शारीरिक क्षति की परवाह किए बगैर कांस्टेबल अमन कुमार ने उस मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की जान बचाई। उनके द्वारा प्रदर्शित साहस, त्वरित निर्णय क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा अत्यंत प्रशंसनीय है।

सबसे कम उम्र की प्रधान का रिकॉर्ड, 21 साल की प्रियंका संभालेंगी पिता की विरासत

(जीएनएस)।

उत्तराखंड पंचायत चुनाव के परिणामों में आदर्श ग्राम सभा सारकोट गैरसैंण चमोली ने नया कीर्तिमान बनाया है। इस गांव की प्रधान 21 साल की प्रियंका निर्वाचित हुई हैं। खास बात ये है कि प्रियंका के पिता भी दो बार गांव के प्रधान रह चुके हैं।

उनके पिता, राजेंद्र नेगी, दो बार इसी ग्राम सभा के प्रधान रह चुके हैं। ऐसे में प्रियंका अब पिता की विरासत को आगे बढ़ाने जा रही हैं। प्रियंका ने राजनीति विज्ञान से ग्रेजुएशन किया है। जिससे अब गांव वालों की उम्मीदें प्रियंका से बढ़ गई हैं।

एक तरफ जहां युवा राजनीति से दूरी बनाए हुए हैं, वहीं इस बार पंचायत चुनावों में युवाओं ने गांव की सरकार चुनने से लेकर जनप्रतिनिधि बनने में काफी दिलचस्पी दिखाई। प्रदेश भर में कई गांवों में युवा प्रधान चुनकर आए हैं। चमोली जिले के गैरसैंण ब्लॉक की रहने वाली प्रियंका नेगी 21 साल की उम्र में ग्राम प्रधान बन गई हैं। पूरे प्रदेश में आए अब तक परिणामों में प्रियंका सबसे कम उम्र की प्रधान चुनी गई हैं। खास बात ये है कि सारकोट वही गांव है जिसे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गोद लिया हुआ है।

पौड़ी जिले के पाबौ//कुई गांव की 22 वर्षीय साक्षी प्रधान चुनी गई। साक्षी देहरादून से बीटेक करके अपने गांव लौटी। जहां उन्होंने क्षेत्र का विकास करने की ठानी। इसके बाद उन्होंने ग्राम प्रधान के पद की दावेदारी की और आज साक्षी कुई गांव की प्रधान चुनी गई है।

चमोली जिला मंडल घाटी में

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मंडल

ई-निविदा - सूचना संख्या: Sr.DEE/TR/ADI/16(2025-26) दिनांक: 29.07.2025

गैर-विद्युतीकृत यार्ड, कोचिंग डिपो, गुड्स साइडिंग, सामान्य उपयोगकर्ता सुविधा का विद्युतीकरण

निविदा संख्या: TRD-ADI-T-09R-2025-26

कार्य का नाम: अहमदाबाद मंडल - गैर-विद्युतीकृत यार्ड, कोचिंग डिपो, गुड्स साइडिंग, GCT और साइडिंग के लिए सामान्य उपयोगकर्ता सुविधा का विद्युतीकरण

अनुमानित लागत: रु.12,76,14,703/- **बयाना राशि:** रु.7,88,100/-

निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि और समय: दिनांक 26.08.2025 को 15:00 बजे के बाद नहीं।

निविदा प्रपत्र खुलने की तिथि एवं समय: 26.08.2025, को 3.30 बजे।

कार्यालय का पता: वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता, डी.आर.एम. कार्यालय (पश्चिम रेलवे), चामुंडा पुल के पास; जी.सी.एस. अस्पताल के सामने, नरोडा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद- 382345। वेबसाइट विवरण: **www.ireps.gov.in** ADI 123

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में जल आपूर्ति बोर्ड के अधिशासी अभियंता कार्यालय का औचक दौरा किया

गांधीनगर, 31 जुलाई : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और जिला कार्यालयों के कामकाज और आवेदकों के साथ संवेदनापूर्ण व्यवहार की निगरानी के लिए कार्यालयों का लगातार प्रत्यक्ष और औचक दौरा करते रहे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना के जिला कार्यालयों का औचक दौरा करने की पहल शुरू की है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल इस पहल के अंतर्गत गुरुवार को गांधीनगर स्थित सहयोग संकुल में कार्यरत गुजरात जल आपूर्ति और सीवरेज व्यवस्था बोर्ड के पब्लिक हेल्थ वर्क्स विभाग (लोक स्वास्थ्य कार्य विभाग) के अधिशासी अभियंता के कार्यालय के औचक दौरे पर पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने इस औचक दौरे के दौरान सहयोग संकुल के बी-ब्लॉक

में स्थित इस कार्यालय के साथ ही कार्यरत जल एवं स्वच्छता प्रबंधन संगठन (वास्मो) के जिला जल एवं स्वच्छता यूनिट कार्यालय के कामकाज की जानकारी भी हासिल की।

उन्होंने अधिकारियों से पूछताछ कर हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली ऑनलाइन शिकायतों और उनके निवारण के लिए की जाने वाली कार्रवाई की जानकारी भी हासिल की। उन्होंने ग्राम स्तर की पानी समितियों की समस्याओं को हल करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि श्री भूपेंद्र पटेल ने इससे पूर्व खेड़ा जिले में अपने दौरे के दौरान वहां के कार्यालयों और गांधीनगर के जूना सचिवालय संकुल में स्थित कार्यालयों का भी औचक दौरा कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री के इस औचक दौरे से सहयोग संकुल में स्थित कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सुखद आश्चर्य की अनुभूति की। इतना ही नहीं, वे सभी मुख्यमंत्री के इस प्रो-एक्टिव और प्रो-पीपल गवर्नेंस के दृष्टिकोण से प्रभावित भी हुए।

इस औचक दौरे में मुख्यमंत्री के साथ मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. विक्रांत पांडेय और विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) श्री धीरज पारेख भी शामिल हुए।

कौन बनेगा भाजपा का नया 'सियासी सेनापति'? बिहार चुनाव से पहले बड़ा उलटफेर तय

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले भारतीय जनता पार्टी एक बड़ा सियासी दांव खेलने जा रही है। सूत्रों की मानें तो पार्टी जल्द ही अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। लोकसभा में सत्र के दौरान ही अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा और अब इसमें देरी की कोई संभावना नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति से पहले भाजपा उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और त्रिपुरा जैसे प्रमुख राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति करने जा रही है। इन राज्यों में संगठनात्मक कार्य पूरा होते ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

● यूपी और गुजरात में जल्द नाम तय

वर्तमान में भूपेंद्र सिंह चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं, लेकिन उनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है। नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा जल्द ही हो सकती है। गुजरात में भी नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर प्रक्रिया अंतिम दौर में है और अगले कुछ दिनों में ऐलान होने की संभावना है।

● कर्नाटक और त्रिपुरा में भी बदलाव की तैयारी

कर्नाटक में संगठनात्मक चुनावों में देरी के चलते अब तक नया अध्यक्ष नियुक्त नहीं हो पाया है, लेकिन पार्टी यहां भी जल्द नाम तय कर सकती है। त्रिपुरा में अभी राजीव भट्टाचार्य अध्यक्ष हैं, जिन्हें 2022 में माणिक साहा की जगह ली थी। अब यहां भी बदलाव लगभग तय माना जा रहा है।

● भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में कौन-कौन से नाम?

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में शिवराज सिंह चौहान, बी एल संतोष, मनोज सिन्हा, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, प्रह्लाद जोशी, सीटी रवि और बीडी शर्मा के नाम शामिल हैं। हालांकि इसमें से अभी किसी भी नाम को फाइनल नहीं किया गया है। कुछ दिनों पहले ये रिपोर्ट आई थी कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने धर्मेंद्र

प्रधान, भूपेंद्र यादव के नामों को संघ के पास मंजूरी के लिए भेजा था लेकिन उसपर सहमति नहीं बनी।

● कैसे होता है भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव?

भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी संभव है जब कम से कम 50 फीसदी राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो जाएं। अब तक 37 में से 28 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में नए अध्यक्ष चुने जा चुके हैं, यानी पार्टी जरूरी आंकड़ा पार कर चुकी है।

● क्यों जरूरी हो गया है नया राष्ट्रीय अध्यक्ष?

▶ 1. बिहार चुनाव की रणनीति को नए नेतृत्व से धार मिलेगी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले बीजेपी एक बार फिर खुद को मजबूत विकल्प के तौर पर पेश करना चाहती है। ऐसे में एक नया, ऊर्जा से भरपूर और संगठनात्मक अनुभव रखने वाला अध्यक्ष पार्टी को नई दिशा और जोश दे सकता है।

▶ 2. विपक्ष के हमलों का जवाब देने वाला चेहरा

बिहार में एनडीए के सहयोगी दलों में भी मतभेद और खींचतान हैं। वहीं, विपक्ष (महागठबंधन) एकजुट होकर आक्रामक रुख अपना रहा है। बीजेपी को एक ऐसे चेहरे की जरूरत है जो राजनीतिक हमलों का जवाब तेजी और रणनीतिक चतुराई से दे सके।

▶ 3. संगठन में नई नियुक्तियों को अंतिम रूप देना

बीजेपी अभी कई राज्यों में अपने प्रदेश अध्यक्ष बदल रही है। इनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, त्रिपुरा जैसे बड़े राज्य शामिल हैं। इन नियुक्तियों के बाद संगठनात्मक चुनावों की 50% शर्त पूरी हो चुकी है। अब नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा से बाकी नियुक्तियों को भी अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

▶ 4. 2024 लोकसभा चुनाव के बाद नए नेतृत्व की जरूरत

हालिया लोकसभा चुनावों में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला, हालांकि एनडीए ने सरकार बनाई है। इन परिणामों के बाद पार्टी में एक 'कोर्स करेक्शन' यानी दिशा सुधार की चर्चा तेज है। ऐसे में संगठन में बदलाव लाकर पार्टी खुद को 2025 और 2029 की रणनीति के लिए तैयार करना चाहती है।

अब यह कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी किसी अनुभवी नेता को जिम्मेदारी सौंपेगी, या फिर किसी युवा चेहरे पर दांव लगाया जा सकता है, जो पार्टी को बिहार जैसे महत्वपूर्ण राज्य में नया मोमेंटम दे सके।

● हाल ही में चुने गए भाजपा राज्य अध्यक्षों के नाम और लिस्ट

हाल ही में भाजपा ने कई राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए हैं:

मध्य प्रदेश: हेमंत कुमार खंडेलवाल
महाराष्ट्र: रविंद्र चव्हाण
तेलंगाना: एन. रामचंदर राव
आंध्र प्रदेश: पीवीएन माधव
उत्तराखंड: महेंद्र भट्ट (पुनर्नियुक्त)
मिजोरम: के. बेचुआ
पुदुचेरी: वीपी रामलिंगम
हिमाचल प्रदेश: राजीव बिंदल
अंडमान-निकोबार: अनिल तिवारी
पश्चिम बंगाल: सामिक भट्टाचार्य

इन नियुक्तियों के साथ भाजपा ने 50 प्रतिशत से अधिक राज्यों में संगठनात्मक चुनावों की शर्त पूरी कर ली है, जिससे यह साफ हो गया है कि अब जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर मुहर लगाई जाएगी।

अब सबकी निगाहें उस चेहरे पर टिकी हैं जो आने वाले दिनों में बीजेपी की चुनावी नैया संभालेगा -क्या यह कोई चौंकाने वाला नाम होगा? या फिर एक अनुभवी नेता? वक्त जल्द ही राज खोलेगा।

● भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष की अब तक की लिस्ट

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थापना वर्ष 1980 में हुई थी। तब से लेकर अब तक पार्टी के कई नेता इस शीर्ष पद पर रह चुके हैं। नीचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्षों की पूरी सूची दी गई है।

1. अटल बिहार वाजपेयी (1980 से 1986)
2. के. एल. आडवाणी (1980-1990, 1993-1998, 2004-2005)
3. मुरली मनोहर जोशी (1991-1993)
4. कुशाभाऊ ठाकरे (1998-2000)
5. बंगारू लक्ष्मण (2000-2001)
6. के जना कृष्णमूर्ति (2001-2002)
7. एम वेंकैया नायडू (2002-2004)
8. नितिन गडकरी (2010-2013)
9. राजनाथ सिंह (2005-2009) (2013-2014)

ट्रंप के टैरिफ बम, मालेगांव विस्फोट पर दोनों सदनों में घिरी मोदी सरकार

(जीएनएस)।

संसद में गुरुवार, 31 जुलाई 2025 को मानसून सत्र का नवां दिन था। प्रश्न नकाल की शुरुआत होते ही विपक्षी सांसदों ने अमेरिकी टैरिफ को लेकर जमकर नारेबाजी शुरू कर दी और दोनों सदनों में सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस हंगामे के कारण लोकसभा और राज्यसभा दोनों का कामकाज प्रभावित हुआ। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सदन को आश्वस्त किया कि सरकार राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में बताया कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए आयात शुल्क (टैरिफ) के प्रभावों का लगातार आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों, निर्यातकों, एमएसएमई और उद्योग जगत सहित सभी हितधारकों की सुरक्षा और संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

गोयल बोले- राष्ट्रहित में सरकार कोई भी कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी

गोयल ने बताया कि मंत्रालय निर्यातकों, उद्योगों और अन्य हितधारकों से संवाद कर रहा है ताकि इस स्थिति पर उनकी राय के आधार पर नीतिगत निर्णय लिए जा सकें। गोयल ने जोर दिया कि सरकार राष्ट्रहित में कोई भी जरूरी कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी।

पीयूष गोयल ने यह भी कहा कि भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर पूरी मजबूती से बढ़ रहा है और आत्मनिर्भरता की ओर आत्मविश्वास से अग्रसर है। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में भारत 'Fragile Five' की सूची से बाहर निकलकर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना है। आर्थिक सुधारों और विभिन्न वर्गों की मेहनत से भारत अब दुनिया की टॉप 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है, और आने वाले वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि अप्रैल 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा जारी कार्यकारी आदेश के तहत भारत पर 10% की बेसलाइन ड्यूटी के साथ कुल 26% टैरिफ की घोषणा की गई थी। इस संबंध में 9 अप्रैल 2025 से लागू होने वाला देश-विशेष अतिरिक्त टैरिफ पहले 90 दिनों के लिए टाला गया और बाद में इसकी मियाद 1 अगस्त 2025 तक बढ़ा दी गई।

मालेगांव ब्लॉस्ट के आरोपियों को बरी करने के आदेश पर विपक्ष ने उठाए सवाल

इस बीच, मालेगांव ब्लास्ट मामले में सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर एनसीपी सांसद प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि न्यायपालिका के फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। वहीं, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' कहने वाली टिप्पणी का समर्थन करते हुए कहा कि यह एक वैश्विक सच्चाई को दर्शाती है।

'भगवा आतंकवाद' शब्द पर आपत्ति

राज्यसभा सांसद उज्ज्वल निकम ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में 'भगवा आतंकवाद' जैसे शब्दों के इस्तेमाल को गलत बताया और कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों पर लगे आरोपों को साबित करने में नाकाम रहा। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने अमेरिकी टैरिफ पर विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को बदलने की वकालत की।

सपा प्रमुख बोले- मेरिकी टैरिफ को 'बुरे दिनों की शुरुआत'

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने अमेरिकी टैरिफ को 'बुरे दिनों की शुरुआत' बताते हुए देश की अर्थव्यवस्था पर चिंता जताई। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री मोदी पर दोस्त बनाने के बाद भी यही परिणाम मिलने का आरोप लगाया।

1 अगस्त तक के लिए दोनों सदन की कार्यवाही स्थगित

पीयूष गोयल के भाषण के बाद लोकसभा और राज्यसभा को 1 अगस्त 2025 सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

'मोदी सरकार आरोपियों को', मालेगांव ब्लॉस्ट के फैसले पर ओवैसी आगबबूला, लगाए गंभीर आरोप

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट केस में एनआईए की कोर्ट ने 31 जुलाई को जो फैसला सुनाया, उस पर बवाल मच चुका है। एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने 17 साल पुराने केस में साध्वी प्रज्ञा ठाकुर समेत 7 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर के अलावा इस मामले के आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित भी आरोपी थे।

कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी करने के फैसले पर अक्टबर अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी आगबबूला हो चुके हैं। उन्होंने कोर्ट के फैसले को निराशाजनक और कानून का मजाक बताते हुए मोदी सरकार और जांच एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं साथ ही कई अहम सवाल उठाए हैं।

क्या मोदी और फडणवीस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे?

ओवैसी ने पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम देवेंद्र फडणवीस से सवाल किया है कि क्या वो कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे? जिस तरह से 2006 मुंबई लोकल ट्रेन में हुए बम विस्फोट केस में बरी किए गए 12 आरोपियों के खिलाफ अपील की थी। क्या महाराष्ट्र के "धर्मनिरपेक्ष" राजनीतिक दल जवाबदेही की मांग करेंगे? उन छह नमाजी लोगों की हत्या किसने की?

मालेगांव विस्फोट केस में जांच एंजेसियों की भूमिका संदिग्ध

औवेसी ने अपनी पोस्ट में लिखा,

"मालेगांव विस्फोट में छह नमाजी मारे गए और लगभग 100 लोग घायल हुए। उन्हें भी धर्म की वजह से निशाना बनाया गया। उन्होंने आरोप एनआईए, एटीएस जैसी जांच एजेंसियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उनकी संदिग्ध भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा, "जानबूझकर की गई घटिया जांच/अभियोजन पक्ष ही बरी होने के लिए ज़िम्मेदार है।

रोहिणी सालियन को क्यों किया याद?

AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 2016 में इस केस में तत्कालीन अभियोजन रोहिणी सालियन के बयान को याद दिलाई जिसमें उन्होंने सार्वजनिक रूप से खुलासा किया था कि एनआईए ने उनसे आरोपियों के खिलाफ नरम रुख अपनाने को कहा था। औवेसी ने लिखा याद कीजिए साल 2017 में एनआईए ने साध्वी प्रज्ञा को बरी करने की कोशिश की थी, जो बाद में 2019 में सांसद बनीं।

कर्नाटक में धर्मस्थल कैसे बना मौत का तीर्थ? दफन 100 से ज्यादा महिलाओं की चीखें! 4-फीट गहराई में कंकाल ही कंकाल

(जीएनएस)।

कर्नाटक के मंगलुरु जिले स्थित पवित्र तीर्थस्थल 'धर्मस्थल' में सामूहिक दफन कांड ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। एक पूर्व सफाई कर्मचारी के सनसनीखेज खुलासे के बाद शुरू हुई विशेष जांच दल (रक्ळ) की जांच में गुरुवार, 31 जुलाई 2025 को बड़ी सफलता मिली। नेत्रावती नदी के स्नान घाट के पास साइट नंबर 6 पर 4 फीट गहराई में आंशिक मानव कंकाल के अवशेष बरामद हुए।

यह पहली बार है जब इस मामले में ठोस फोरेंसिक साक्ष्य मिले हैं। शिकायतकर्ता के दावों ने धर्मस्थल को सुर्खियों में ला दिया है, जहां उसने 1998 से 2014 के बीच सैकड़ों महिलाओं और नाबालिगों के शव दफनाने की बात कही थी। आइए, इस मामले की पूरी टाइमलाइन और जांच के ताजा अपडेट्स को जानें...

धर्मस्थल सामूहिक दफन कांड टाइमलाइन

1998-2014: सनसनीखेज दावे और गायब होती जिंदगियां

एक पूर्व सफाई कर्मचारी ने दावा किया कि 1998 से 2014 के बीच उसे धर्मस्थल और आसपास के इलाकों में सैकड़ों शव दफनाने के लिए मजबूर किया गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि ज्यादातर शव महिलाओं और नाबालिगों के थे, जिन पर यौन उत्पीड़न और हिंसक हमले के निशान थे। इस दौरान धर्मस्थल में कई लोग, खासकर महिलाएं, लापता हुईं, लेकिन कोई ठोस जांच नहीं हुई। 2012 का सौजन्या बलात्कार और हत्या मामला भी सुर्खियों में रहा, जहां 17 साल की छात्रा का शव सुनसान जगह पर मिला था।

4 जुलाई 2025: शिकायत दर्ज, खुलासा हुआ

शिकायतकर्ता ने धर्मस्थल पुलिस स्टेशन और दक्षिण कन्नड़ के रढ को अपनी शिकायत दी। उसने बताया कि

उसे बलात्कार और हत्या के शिकार लोगों के शव दफनाने के लिए धमकाया गया। भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 211(ए) के तहत FIR दर्ज की गई। शिकायतकर्ता ने कुछ कंकाल अवशेष भी पेश किए, जिन्हें उसने खुद खोदकर निकाला था।

11 जुलाई 2025: शिकायतकर्ता का कोर्ट में बयान

शिकायतकर्ता बेलथांगडी कोर्ट में पेश हुआ और भारतीय न्याय संहिता (BNS) धारा 183 के तहत बयान दर्ज कराया।

उसने दावा किया कि उसने 13 संदिग्ध दफन स्थलों की पहचान की है, जहां शव दफनाए गए। उसने अपनी और परिवार की सुरक्षा की मांग की।

19 जुलाई 2025: SIT का गठन

कर्नाटक सरकार ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के निर्देश पर विशेष जांच दल (रक्ळ) गठन किया।

SIT का नेतृत्व DGP (आंतरिक सुरक्षा) प्रणब मोहंती कर रहे हैं, जिसमें DIG एमएन अनुचेथ, ऊ्रढ सौम्यलता, और SP जितेंद्र कुमार दयामा शामिल हैं।

'श्वेता तिवारी के साथ मारपीट', 44 की उम्र में एक्ट्रेस को लेकर चौंकाने वाला खुलासा, राजा चौधरी ने खोला राज

(जीएनएस)।

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी, जिन्होंने 'कसौटी जिंदगी की' जैसे पॉपुलर धारावाहिक में मुख्य भूमिका निभाकर हर घर में अपनी पहचान बनाई, अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं।

राजा चौधरी पर घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप

श्वेता तिवारी ने अपने पहले पति राजा चौधरी पर घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद दोनों का रिश्ता तलाक पर खत्म हुआ था। लंबे समय तक श्वेता तिवारी अपनी बेटी पलक के साथ अकेले रहीं और बाद में एक्टर अभिनव कोहली से दूसरी शादी की थी। हालांकि उनकी दूसरी शादी भी जल्द टूट गई थी।

राजा चौधरी ने इस पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी

वहीं अब, सालों बाद राजा चौधरी ने इस पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने दावा किया है कि असल में वो खुद इस रिश्ते में मानसिक रूप से प्रताड़ित हुए थे और उन पर लगाए गए आरोप एकतरफा थे।

राजा चौधरी ने कहा- कोई मारपीट नहीं हुई थी

हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में जब राजा चौधरी से पूछा गया कि क्या उन्होंने श्वेता तिवारी के साथ शारीरिक हिंसा की थी, तो उन्होंने साफ इनकार करते हुए कहा- मैंने कभी श्वेता से मारपीट नहीं की। हां, दो बार उसके घर के दरवाजे जरूर तोड़े थे, लेकिन वो भी तब जब हम अलग हो चुके थे और मुझे अपनी बेटी से मिलने नहीं दिया जा रहा था। मैं बस इज्जत से बात करना चाहता था, पर उन्होंने दरवाजा बंद कर लिया और अंदर आने नहीं दिया।

'मुझे जानबूझकर विलेन बना दिया गया'

जब राजा चौधरी से पूछा गया कि क्या उन्हें कभी अपनी गलतियों का एहसास हुआ या वो हालात के शिकार हो गए थे, तो उन्होंने जवाब दिया- 2007 के न्यूज क्लिपिंग्स और मैगजीन उठा कर देखिए, हर जगह एक ही एंगल से खबरें चलती थीं। श्वेता तिवारी के पति ने उन्हें पीटा, पति गिरफ्तार लेकिन किसी ने मेरी बात नहीं सुनी। श्वेता उस समय हर घर की चहेती थीं, तो ऑटोमैटिकली मैं ही विलेन बन गया।

राजा चौधरी ने श्वेता तिवारी के खोले राज

-राजा चौधरी का कहना है कि श्वेता तिवारी की उस समय की लोकप्रियता ने पूरी कहानी को एकतरफा बना दिया था। राजा ने इंटरव्यू में कहा- जब कोई टीवी पर लोगों की फेवरेट हो, तो समाज उसी के पक्ष में खड़ा होता है। मुझे अपनी बात रखने का मौका ही नहीं मिला।

-राजा चौधरी के इस खुलासे से एक बार फिर से श्वेता तिवारी और उनके पहले रिश्ते की कहानी चर्चा में आ गई है। जहां एक ओर श्वेता तिवारी हमेशा से अपनी मजबूती और आत्मनिर्भरता के लिए जानी जाती रही हैं, वहीं अब राजा अपनी साइड रखने की कोशिश कर रहे हैं।

टूट गया अभिमन्यू ईश्वरन के पिता के सब्र का बांध, बेटे का डेब्यू नहीं होने पर भड़के, आईपीएल से चयन पर उठाए सवाल

(जीएनएस)।

इंग्लैंड दौरे पर नए प्लेयर्स को खेलते हुए देखने का उत्साह सिर्फ फैन्स में ही नहीं बल्कि उन परिवारों में भी था, जिनका बेटा टीम इंडिया के साथ गया था। कुछ डेब्यू हुए लेकिन कई प्लेयर्स नहीं खेल पाए, उनमें से एक नाम अभिमन्यु ईश्वरन का भी है। ईश्वरन का डेब्यू नहीं होने पर उनके पिता का सब्र जवाब दे गया।

टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत करते हुए उनके पिता रंगनाथन ईश्वरन ने कई बातें कहीं। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि टीम में खेलने का पैमाना आईपीएल नहीं होना चाहिए। उनका कहना जायज था क्योंकि आईपीएल से आकर ही साई सुदर्शन डेब्यू कर गए, जबकि फर्स्ट क्लास क्रिकेट के आंकड़ों में वह ईश्वरन के सामने कहीं नहीं टिकते हैं।

अभिमन्यु के पिता ने कहा कि अब दिनों की गिनती नहीं कर रहा हूं कि अभिमन्यु को टेस्ट डेब्यू का इंतजार करते हुए कितना वक्त हो गया, अब तो साल बीत चुके हैं। तीन साल

हो गए हैं इस इंतजार को। एक खिलाड़ी का असली काम है रन बनाना, और अभिमन्यु ने ये बखूबी किया है। लोग कहते हैं कि पिछले ऑस्ट्रेलिया टूर पर उसने इंडिया ए के दो मैचों में कुछ खास नहीं किया, इसलिए टीम में नहीं चुना गया। मान लिया, वो फैसला सही रहा होगा। लेकिन सवाल ये है कि जब अभिमन्यु रन पर रन बना रहा था, तब करुण नायर टीम में नहीं थे?

उन्होंने कहा कि करुण को दलीप ट्रॉफी और ईरानी ट्रॉफी तक में जगह नहीं मिली, फिर भी आगे जगह बन गई। वहीं अभिमन्यु ने पिछले एक साल में करीब 864 रन बनाए हैं। इतना बढ़िया प्रदर्शन करने के बावजूद अगर उसे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, तो सवाल उठना लाजमी है।

आईपीएल वालों पर उठाया सवाल

29 वर्षीय खिलाड़ी के पिता ने कहा कि किस आधार पर तुलना हो रही, मुझे पता नहीं है। करुण नायर को मौका मिला, कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि उन्होंने 800 से ज्यादा रन बनाए हैं। चयनकर्ताओं ने उनके ऊपर भरोसा दिखाया। मेरा बेटा थोड़ा उदास है और यह स्वाभाविक है। जब कोई लगातार प्रदर्शन करे और नजरअंदाज हो, तो ऐसा महसूस होना लाजमी भी है। आजकल आईपीएल के आधार पर खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में जगह मिल जाती है, जो सही नहीं है। चयन का पैमाना दलीप ट्रॉफी, रणजी और ईरानी ट्रॉफी होना चाहिए।

आंकड़े अभिमन्यु के पक्ष में हैं

ईश्वरन के पिता ने कुछ गलत भी नहीं कहा है। 23 साल के साई सुदर्शन को इंग्लैंड में तीन मैच मिले हैं, जबकि वह ईश्वरन के सामने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कुछ नहीं हैं। उन्होंने सिर्फ 38 गेम खेले हैं, जबकि ईश्वरन ने 100 से ज्यादा गेम खेलकर 7841 रन बनाए हैं। उनके नाम 27 शतक हैं। उनकी उम्र भी 29 हो गई है। इस वजह से एक पिता का भावुक होना लाजमी है क्योंकि ईश्वरन ने जमकर रन बनाए हैं लेकिन खेलने का मौका किसी आईपीएल वाले को मिला है।